Anant Gyan 24-02-2026

परीक्षा का तनाव नहीं, अब हौसले की बारी

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने अभिभावकों से मांगी सकारात्मकता

अनंत ज्ञान

- **कहा- बच्चों पर न थोपें उम्मीदों का बोझ**
- **बेहतर रिवीजन को बताया सफलता का असली मंत्र**

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं की आहट के बीच बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम एक बेहद संवेदनशील और प्रेरक संदेश जारी किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि परीक्षा के इन महत्वपूर्ण दिनों में बच्चों को डर की नहीं, बल्कि अपनों के साथ की जरूरत है।

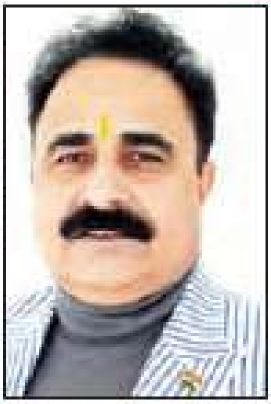

डॉ. शर्मा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे घर में परीक्षा का तनावपूर्ण माहौल बनाने के बजाय बच्चों के प्रति सहयोगात्मक और सकारात्मक नजरिया अपनाएं, ताकि छात्र बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों की मेहनत और ईमानदारी पर गहरा भरोसा जताते हुए कहा कि हिमाचल के विद्यार्थी अनुशासित और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अनुचित साधनों के जाल में न फंसकर अपनी मेहनत पर यकीन रखें। डॉ. शर्मा के अनुसार, सफलता की सबसे बड़ी कुंजी आत्मविश्वास और प्रोत्साहन है, न कि दबाव। उन्होंने अभिभावकों को याद दिलाया कि उनकी ओर से दिया गया भावनात्मक सहयोग ही छात्र के मनोबल को सबसे ऊंचे स्तर पर ले जा सकता है। परीक्षा की तैयारी को लेकर मार्गदर्शन देते हुए डॉ. राजेश ने विद्यार्थियों से शांत मन से रिवीजन करने का आग्रह किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी विषय में असहजता महसूस हो रही हो, तो पूरे सिलेबस से घबराने के बजाय मुख्य अध्यायों और महत्वपूर्ण प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करें। संतुलित तैयारी न केवल तनाव को कम करती है, बल्कि प्रदर्शन में भी निखार लाती है।

पंजाब केसरी
TUE,24 FEBRUARY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 7

सी.बी.एस.ई. सब कैडर में प्रतिनियुक्ति के लिए पात्रता में राहत, आवेदन की तिथि बढ़ी

प्रधानाचार्य पद के लिए न्यूनतम अवशिष्ट सेवा अवधि में छूट, अधिक अनुभवी शिक्षकों को मिलेगा अवसर

धर्मशाला, 23 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि सी.बी.एस.ई. सब-कैडर में प्रतिनियुक्ति के लिए आयोजित होने वाले स्क्रीनिंग टैस्ट से संबंधित प्रोस्पैक्टस के नियम 10.3 में आंशिक संशोधन किया गया है। यह संशोधन विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देशों के अनुरूप किया गया है, ताकि योग्य और अनुभवी शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

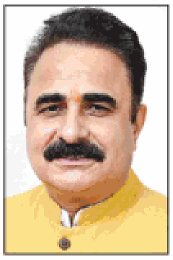

डा. राजेश ने बताया कि प्रधानाचार्य पद के लिए न्यूनतम अवशिष्ट सेवा अवधि की शर्त को 3 वर्ष से घटाकर 2 वर्ष कर दिया गया है। इस निर्णय से सी.बी.एस.ई. से संबद्ध राजकीय विद्यालयों में प्रधानाचार्य पद के लिए अधिक योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों को अवसर मिलेगा। यह छूट केवल प्रधानाचार्य पद के लिए लागू होगी।

बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि प्रधानाचार्य पद को छोड़कर अन्य सभी पात्रता शर्तें तथा स्क्रीनिंग/चयन प्रक्रिया पूर्ववत रहेगी। संबंधित शिक्षकों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध इन-सर्विस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

डा. राजेश ने जानकारी दी कि ऑनलाइन आवेदन बिना विलंब शुल्क के जमा करने की अंतिम तिथि 5 मार्च तक बढ़ा दी गई है। इसके अतिरिक्त पहले से जमा आवेदनों में संशोधन के लिए करैक्शन विंडो 6 से 7 मार्च तक खुली रहेगी।

बोर्ड परीक्षाओं में बच्चों के लिए बनाएं सहयोगात्मक माहौल

बोर्ड की शुरू होने वाली परीक्षाओं से पहले डा. राजेश ने अभिभावकों से अपील की है कि वे घर में परीक्षा का तनावपूर्ण माहौल बनाने के बजाय बच्चों के प्रति सहयोगात्मक और सकारात्मक नजरिया अपनाएं, ताकि छात्र बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अनुचित साधनों के जाल में न फंसकर अपनी मेहनत पर यकीन रखें।

शिक्षकों की वरिष्ठता व पदोन्नति सुरक्षित, सी.बी.एस.ई. उत्कृष्टता विद्यालय योजना में संशोधन

शिमला, 23 फरवरी (प्रीति): प्रदेश सरकार ने बीते 19 जनवरी को जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए राज्य में संचालित सी.बी.एस.ई. से संबद्ध उत्कृष्टता विद्यालयों की योजना के पैरा 5.6.2 को प्रतिस्थापित कर दिया है। इस संशोधन के तहत सी.बी.एस.ई. विद्यालयों में शामिल होने वाले मौजूदा शिक्षकों की सेवा शर्तों को स्पष्ट और संरक्षित किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार स्क्रीनिंग टैस्ट के बाद सी.बी.एस.ई. स्कूलों में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व संबंधित शिक्षकों को सी.बी.एस.ई. शिक्षक उप-कैडर में शामिल होने का विकल्प देना अनिवार्य होगा। हालांकि इस दौरान प्रावधान किया गया है कि ऐसे शिक्षकों को अपने मूल कैडर में नियुक्ति का अधिकार यथावत प्राप्त रहेगा। सोमवार को शिक्षा सचिव की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है।

Apka Faisla
24-02-2026

परीक्षा के इन महत्वपूर्ण दिनों में बच्चों को डर की नहीं, बल्कि अपनों के साथ की जरूरत : डॉ. राजेश शर्मा

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं की आहट के बीच बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम एक बेहद संवेदनशील और प्रेरक संदेश जारी किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि परीक्षा के इन महत्वपूर्ण दिनों में बच्चों को डर की नहीं, बल्कि अपनों के साथ की जरूरत है। डॉ. शर्मा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे घर में परीक्षा का तनावपूर्ण माहौल बनाने के बजाय बच्चों के प्रति सहयोगात्मक और सकारात्मक नजरिया अपनाएं, ताकि छात्र बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों की मेहनत और ईमानदारी पर गहरा भरोसा जताते हुए कहा कि हिमाचल के विद्यार्थी अनुशासित और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अनुचित साधनों के जाल में न फंसकर अपनी मेहनत पर यकीन रखें। डॉ. शर्मा के अनुसार, सफलता की सबसे बड़ी कुंजी आत्मविश्वास और प्रोत्साहन है, न कि दबाव। उन्होंने अभिभावकों को याद दिलाया कि उनकी ओर से दिया गया भावनात्मक सहयोग ही छात्र के मनोबल को सबसे ऊंचे स्तर पर ले जा सकता है। परीक्षा की तैयारी को लेकर मार्गदर्शन देते हुए डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से शांत मन से रिवीज़न करने का आग्रह किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी विषय में असहजता महसूस हो रही हो, तो पूरे सिलेबस से घबराने के बजाय मुख्य अध्यायों और महत्वपूर्ण प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करें। संतुलित तैयारी न केवल तनाव को कम करती है, बल्कि प्रदर्शन में भी निखार लाती है। बोर्ड ने अंत में यह विश्वास जताया है कि संयम, समर्पण और सही दिशा में किए गए प्रयास से प्रदेश के बच्चे अपने परिश्रम का उचित परिणाम अवश्य प्राप्त करेंगे।

Dainik Jagran
24-02-2026

आत्मविश्वास है सफलता की कुंजी : डा. राजेश

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए प्रेरक संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के इस महत्वपूर्ण समय में बच्चों को डर की नहीं, बल्कि परिवार का सहयोग चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे घर में तनावपूर्ण माहौल न बनाएं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने छात्रों की मेहनत और ईमानदारी पर भरोसा जताते हुए कहा कि हिमाचल के विद्यार्थी अनुशासित और नैतिक मूल्यों से भरे हैं। डा. शर्मा ने सलाह दी कि छात्र शार्टकट या अनुचित साधनों के जाल में न फंसें और मेहनत पर विश्वास रखें। सफलता की कुंजी आत्मविश्वास और प्रोत्साहन है, न कि दबाव। उन्होंने कहा कि उनका भावनात्मक सहयोग छात्रों के

डा. राजेश शर्मा
● जागरण

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
23 फरवरी, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नजर के साथ

सीबीएसई सब-कैडर में प्रतिनियुक्ति के लिए पात्रता में राहत, आवेदन तिथि बढ़ी

प्रधानाचार्य पद के लिए न्यूनतम अवशिष्ट सेवा अवधि में छूट, अधिक अनुभवी शिक्षकों को मिलेगा अवसर

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि सीबीएसई सब-कैडर में प्रतिनियुक्ति हेतु आयोजित होने वाली स्क्रीनिंग टेस्ट-2026 से संबंधित प्रॉस्पेक्टस के नियम 10.3 में आंशिक संशोधन किया गया है। यह संशोधन विद्यालय शिक्षा निदेशालय, हिमाचल प्रदेश के निर्देशों के अनुरूप किया गया है, ताकि योग्य और अनुभवी शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। प्रधानाचार्य पद के लिए पात्रता में महत्वपूर्ण राहत

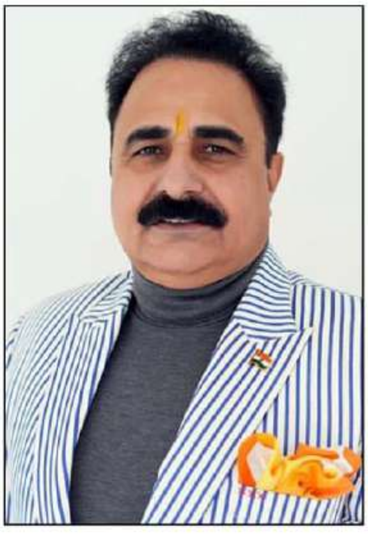

डॉ. शर्मा ने बताया कि प्रधानाचार्य पद के लिए न्यूनतम अवशिष्ट सेवा अवधि की शर्त को तीन वर्ष से घटाकर दो वर्ष कर दिया गया है। इस निर्णय से सीबीएसई से संबद्ध राजकीय विद्यालयों में प्रधानाचार्य पद हेतु अधिक योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों को अवसर मिलेगा। यह छूट केवल प्रधानाचार्य पद के लिए लागू होगी।

आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, सुधार विंडो की जानकारी

डॉ. शर्मा ने जानकारी दी कि ऑनलाइन आवेदन बिना विलंब शुल्क के जमा करने की अंतिम तिथि 5 मार्च 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके अतिरिक्त, पहले से जमा आवेदनों में संशोधन के लिए करेक्शन विंडो 6 मार्च 2026 से 7 मार्च 2026 तक खुली रहेगी।

बोर्ड अध्यक्ष ने सभी पात्र शिक्षकों से आग्रह किया कि वे संशोधित पात्रता शर्तों एवं तिथियों का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करें और आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति सुनिश्चित करें। शिक्षा बोर्ड योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों को अवसर प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि सीबीएसई से संबद्ध राजकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

अन्य शर्तें यथावत, चयन प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं

बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि प्रधानाचार्य पद को छोड़कर अन्य सभी पात्रता शर्तें तथा स्क्रीनिंग/चयन प्रक्रिया पूर्ववत रहेगी। संबंधित शिक्षकों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध इन-सर्विस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

The Sunny Times

परीक्षा में 'तनाव' नहीं, 'हौसले' का माहौल जरूरी

अभिभावकों से सकारात्मक सहयोग की अपील, ईमानदारी और आत्मविश्वास को बताया सफलता की कुंजी

सन्नी महाजन

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं के मदेनज़र बोर्ड अध्यक्ष **डॉ. राजेश शर्मा** ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम एक प्रेरणादायक संदेश जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा का समय बच्चों के लिए भय का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और प्रोत्साहन का होना चाहिए।

घर में बने सकारात्मक माहौल का संबल

डॉ. शर्मा ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों पर अपेक्षाओं का अनावश्यक दबाव न डालें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दिनों में घर का वातावरण सहयोगात्मक और शांतिपूर्ण होना चाहिए, ताकि विद्यार्थी मानसिक रुप से संतुलित रहकर अपनी तैयारी को अंतिम रुप दे सकें।

उन्होंने रेखांकित किया कि अभिभावकों का भावनात्मक समर्थन ही छात्रों के आत्मबल को मजबूत करता है और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

ईमानदारी और मेहनत ही असली पूंजी

बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों की अनुशासनप्रियता और नैतिक मूल्यों पर विश्वास जताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अनुचित साधनों से दूर रहना ही सच्ची सफलता का मार्ग है।

उनके शब्दों में, "सफलता की सबसे बड़ी कुंजी आत्मविश्वास, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच है, न कि दबाव।" उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी मेहनत पर भरोसा रखने और पूरे मनोयोग से परीक्षा में शामिल होने की सलाह दी।

> **यदि किसी विषय में कठिनाई महसूस हो, तो पूरे पाठ्यक्रम से घबराने के बजाय मुख्य अध्यायों और महत्वपूर्ण प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करें। संतुलित और योजनाबद्ध तैयारी न केवल तनाव को कम करती है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाती है।**
>
> - डॉ राजेश शर्मा

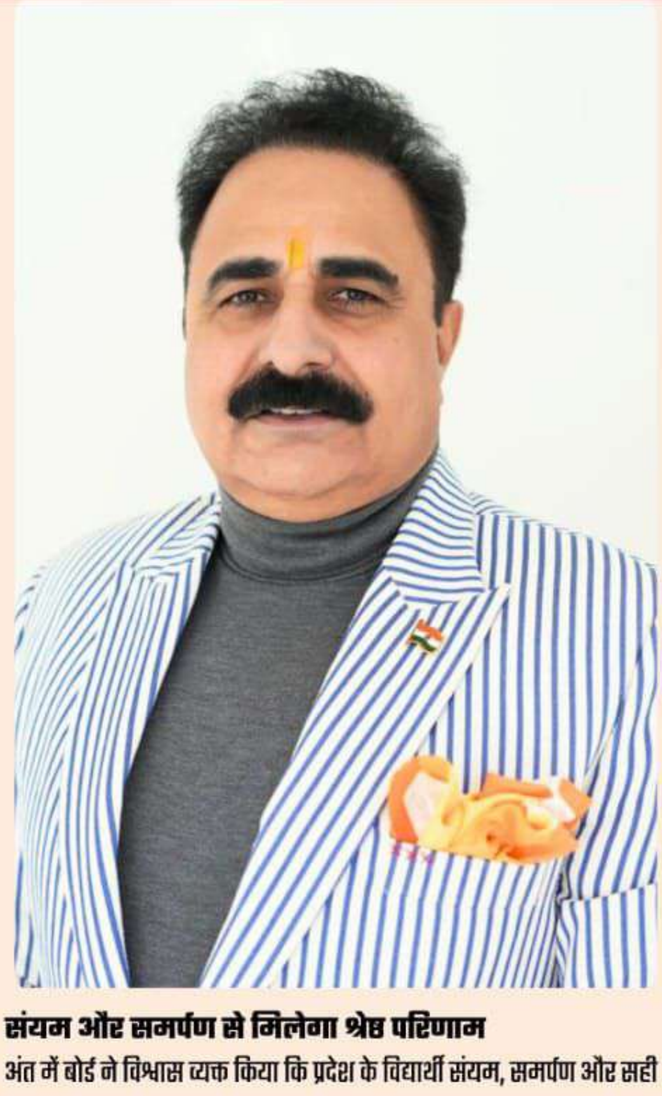

संयम और समर्पण से मिलेगा श्रेष्ठ परिणाम

अंत में बोर्ड ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के विद्यार्थी संयम, समर्पण और सही दिशा में किए गए प्रयासों के बल पर उत्कृष्ट परिणाम हासिल करेंगे।

डॉ. शर्मा का संदेश स्पष्ट है—परीक्षा जीवन का एक चरण है, अंतिम सत्य नहीं। यदि घर और विद्यालय मिलकर सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनाएं, तो हर छात्र अपनी क्षमता के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है।

Eligibility Relaxed for Deputation to CBSE Sub-Cadre, Application Date Extended

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA FEB 23 : Himachal Pradesh Board of School Education Chairman Dr. Rajesh Sharma informed that Rule 10.3 of the prospectus related to the 2026 Screening Test for Deputation to the CBSE Sub-Cadre has been partially amended. This amendment has been made in accordance with the instructions of the Directorate of School Education, Himachal Pradesh, to ensure the availability of qualified and experienced teachers. Dr. Sharma stated that the minimum residual service requirement for the post of Principal has been reduced from three years to two years. This decision will provide opportunities for more qualified and experienced teachers to apply for the post of Principal in CBSE-affiliated government schools. This relaxation will apply only to the post of Principal. The Board Chairman clarified that all other eligibility requirements and screening/selection process, except for the post of Principal, will remain unchanged. It will be mandatory for the concerned teachers to submit a valid in-service certificate issued by the competent authority. Dr. Sharma informed that the last date for submitting online applications without late fee has been extended to March 5, 2026. Additionally, the correction window for amendments to previously submitted applications will be open from March 6, 2026, to March 7, 2026. The Board Chairman urged all eligible teachers to take advantage of the revised eligibility conditions and dates, apply on time, and ensure the necessary documentation is complete. The Board of Education is fully committed to providing opportunities to qualified and experienced teachers to further strengthen the educational quality in CBSE-affiliated government schools.

छात्रों को परीक्षा का तनाव नहीं, हौसला देने की बारी

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – धर्मशाला

- शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने बच्चों के अभिभावकों से किया आह्वान

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं की आहट के बीच बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम एक बेहद संवेदनशील और प्रेरक संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा के इन महत्त्वपूर्ण दिनों में बच्चों को डर की नहीं, बल्कि अपनों के साथ की जरूरत है। डा. शर्मा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे घर में परीक्षा का तनावपूर्ण माहौल बनाने के बजाय बच्चों के प्रति सहयोगात्मक और सकारात्मक नजरिया अपनाएं, जिससे छात्र बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों की मेहनत और ईमानदारी पर गहरा भरोसा जताते हुए कहा कि हिमाचल के विद्यार्थी अनुशासित और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अनुचित साधनों के जाल में न फंसकर अपनी मेहनत पर यकीन रखें। डा. शर्मा के अनुसार, सफलता की सबसे बड़ी कुंजी आत्मविश्वास और प्रोत्साहन है, न कि दबाव। उन्होंने अभिभावकों को याद दिलाया कि उनकी ओर से दिया गया भावनात्मक सहयोग ही छात्र के मनोबल को सबसे ऊंचे स्तर पर ले जा सकता है।